ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 9

उपनिवेशवाद और देहात

भाग - 2

प्रीतेश जोशी



ipca
A dose of life

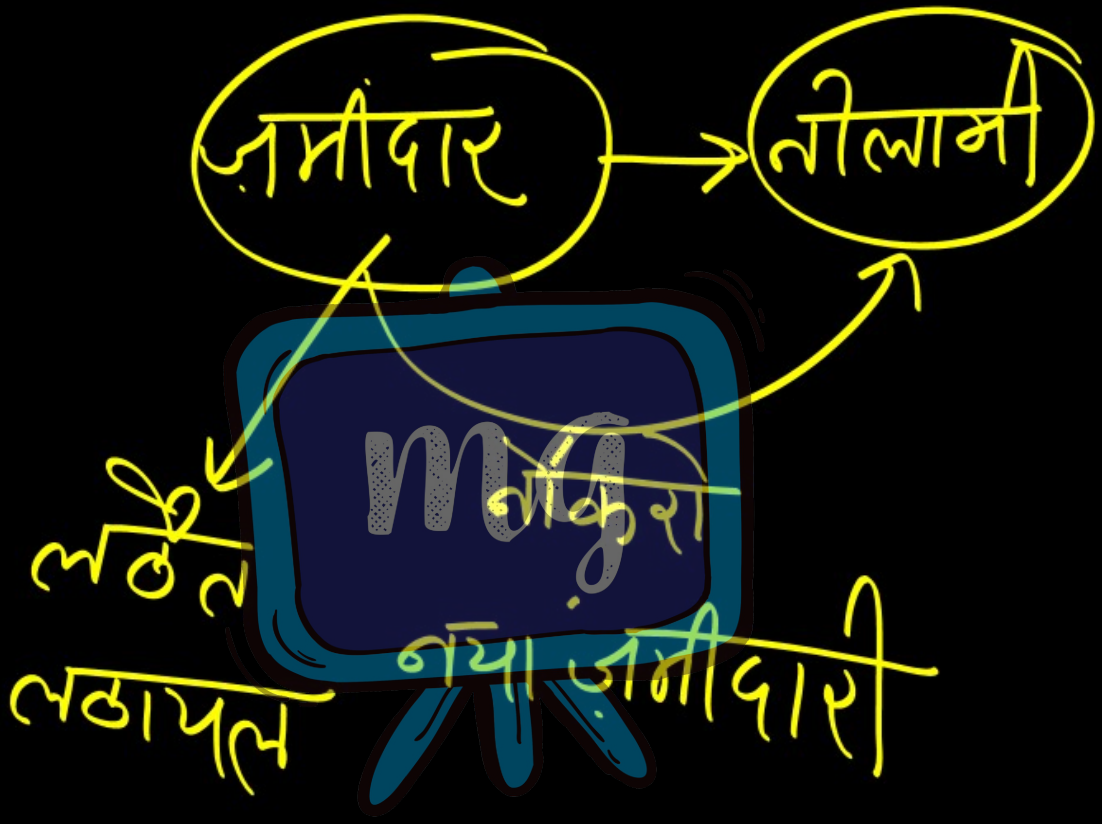
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज़ → व्यापार → शास
EIC

1757 प्लासी

1793 → स्थायी ब
किसान → रैयत → जमींदार
जमींदारी
इस्तमरारी




ज़मींदार
नीलामी
लर्ड कॉर्नवालिस
नया ज़मींदारी

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कंपनी अधिकारियों की सोच

- जमींदार में सुरक्षा का भाव।
- वे निवेश करेंगे।
- राजस्व भरने में कोताही क्यों।

जमींदारों की असफलता के कारण

1. प्रारम्भिक मांगें बहुत ऊँची थी।
2. यह ऊँची मांगें 1790 के दशक में लागू की गयी थी, जब कृषि की उपज की कीमतें नीचीं थी।
3. राजस्व असमान था (अकाल)
4. प्रारम्भ में जमींदार की शक्ति को रैयत से राजस्व इकट्ठा करने और अपनी जमींदारी का प्रबंध करने तक ही सीमित कर दिया था। स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गयी थी।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

18" शताब्दी → धनी किसान (वर्ग) → ज़मींदारों से अधिक शक्तिशाली

साहूकार + महाजन

अन्य नाम

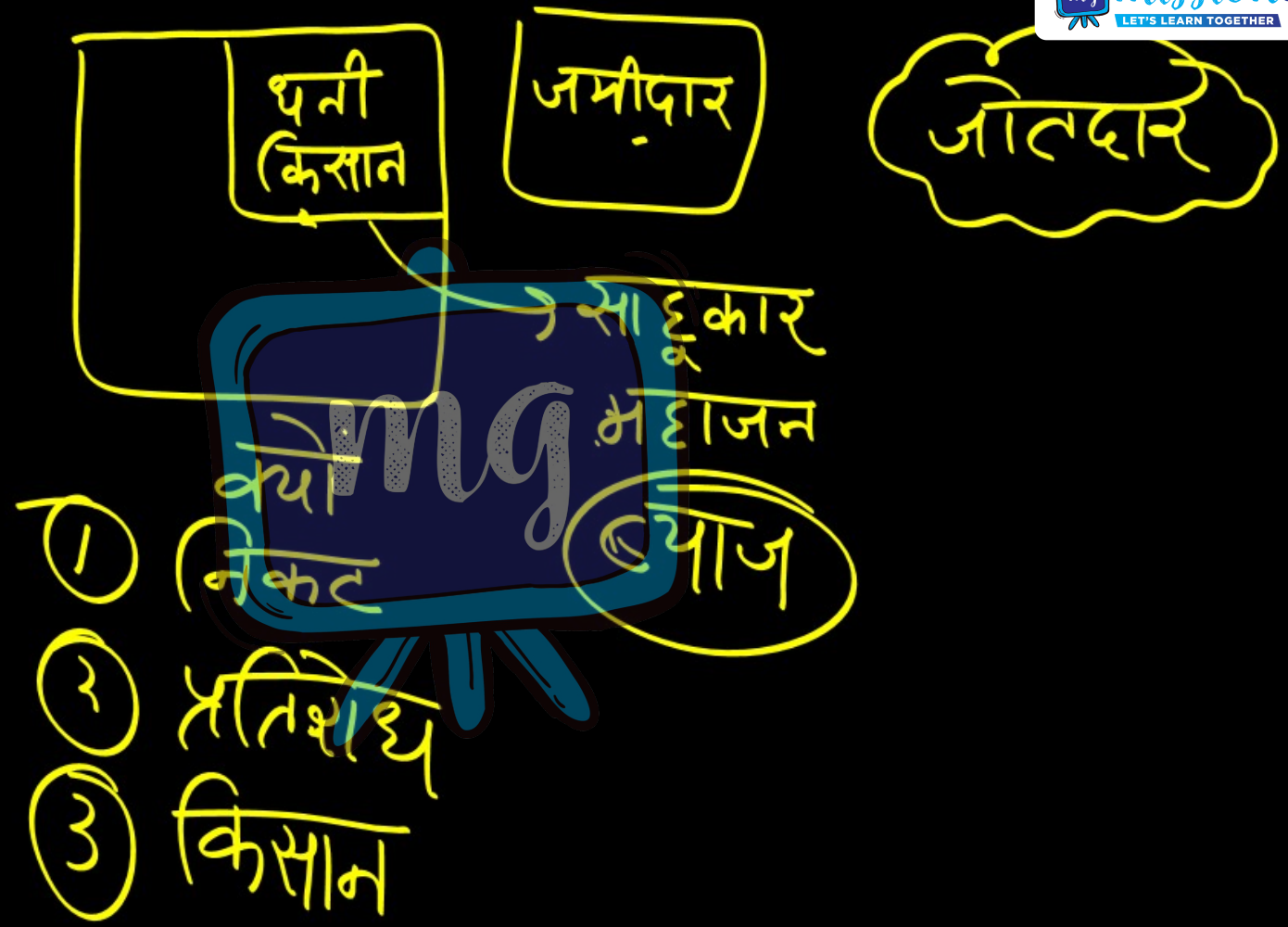
- पंटीदार ✓
- हवलदार ✓
- मण्डल ✓

जोतदार

- गांव मे रहते थे
- ज़मींदारों का प्रतिरोध
- रैयतों को एकजुट
- ज़मींदारी खरीद लेते थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



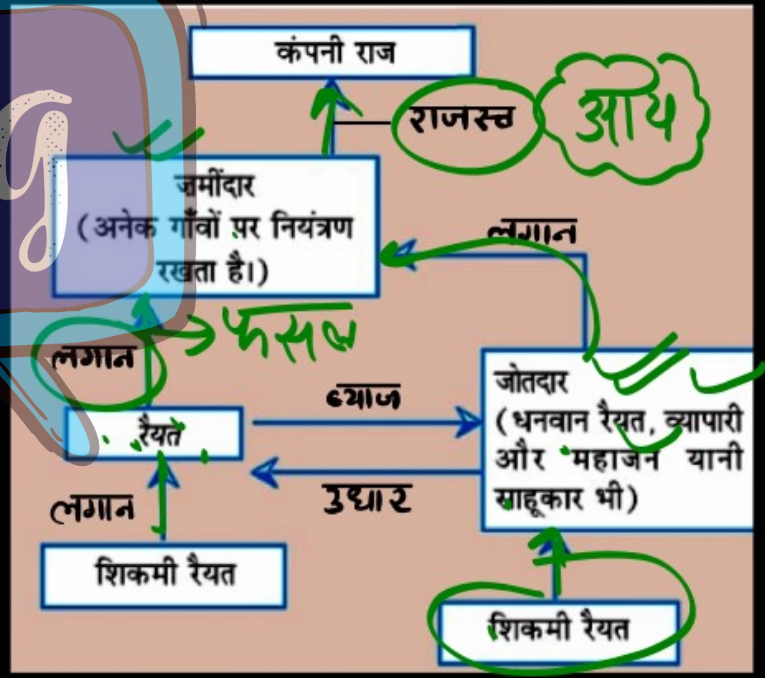
ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जोतदारों का उदय

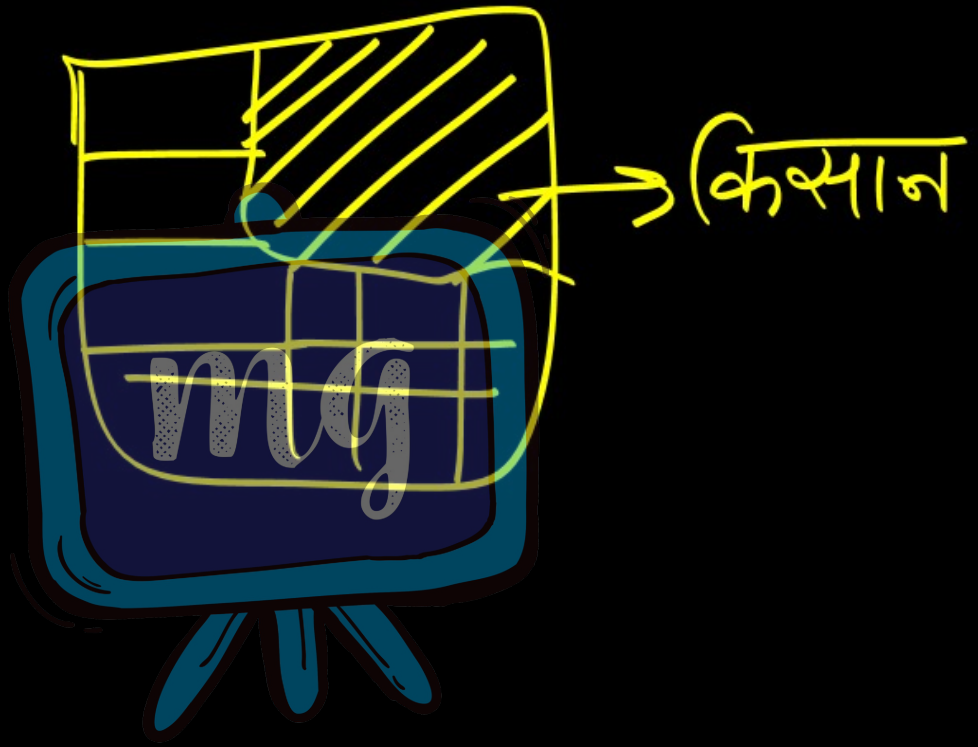
- जोतदार – धनी किसानों का समूह





ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Q. जोतदार किन्हें कहा जाता था?

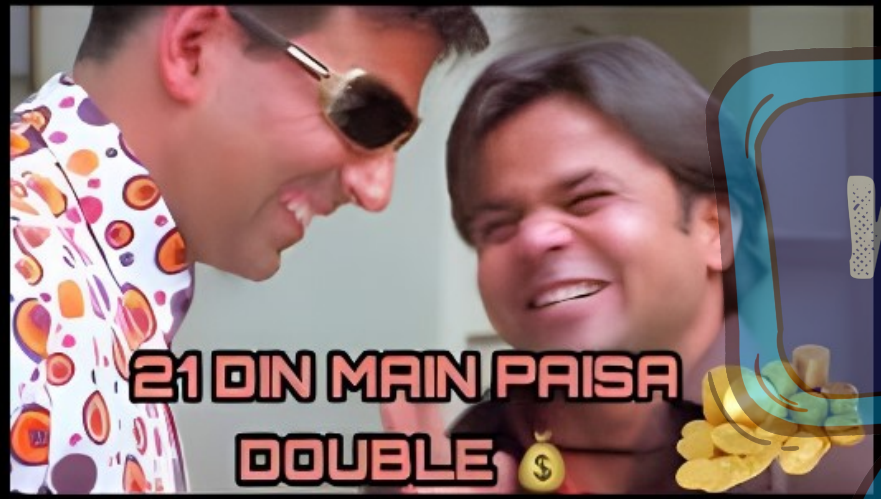
Q. जोतदार के दो अन्य नाम लिखें?

Q. जोतदार जमींदारों से ताकतवर कैसे बने?



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जमींदार की ओर से प्रतिरोध :-

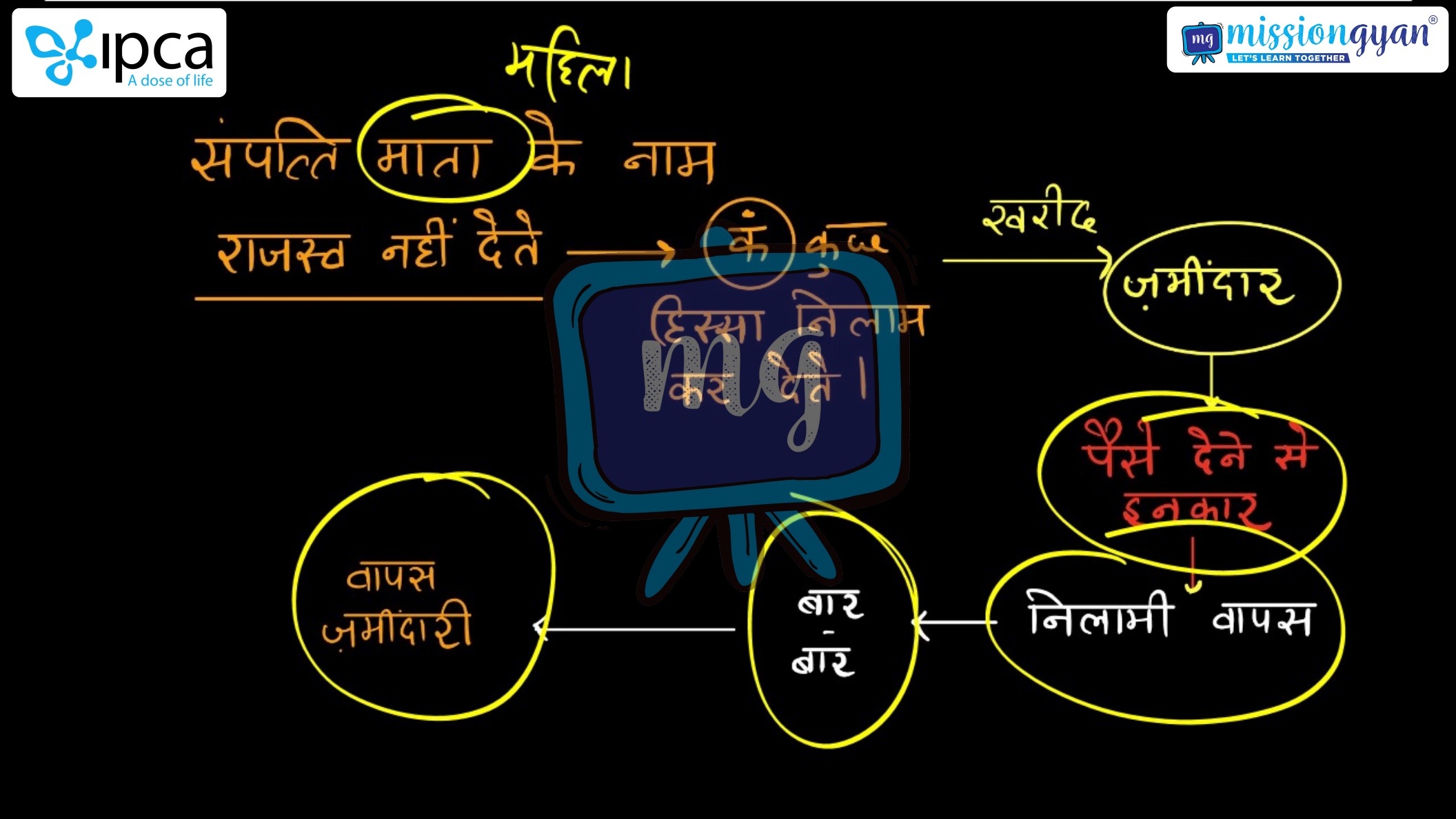
- जमींदारी/भू-संपदा की संभावित नीलामी की समस्या से निपटने के लिए जमींदारों ने नयी रणनीतियां बनायी।

1. फर्जी बिक्री – जैसे बर्दवान में की गयी नीलामी की घटना।
2. नए जमींदार को जमीन का कब्जा नहीं देते थे।
3. पुराने रैयत नए जमींदार का विरोध करते थे।

→ ज़मींदार

ipca
A dose of life

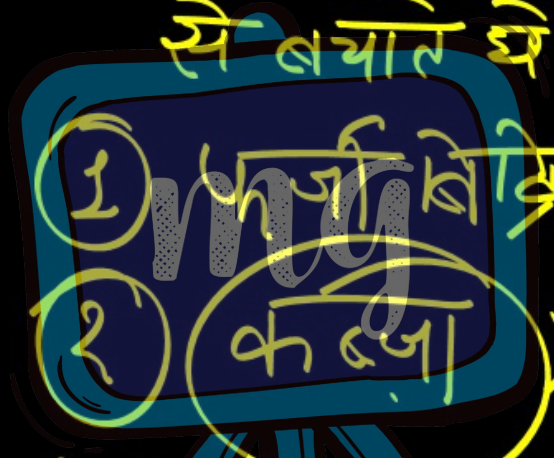
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. जमींदार किस प्रकार अपनी जमींदारी को नीलाम होने से बचाते थे ?



1. फर्जी बोली → फर्जी
2. कब्जा → लगेत
3. मौता
4. रैयत

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में मंदी की स्थिति समाप्त हो गयी। + नियम लचीला
- इसके बाद जमींदारों ने सत्ता को सुदृढ़ बना लिया।



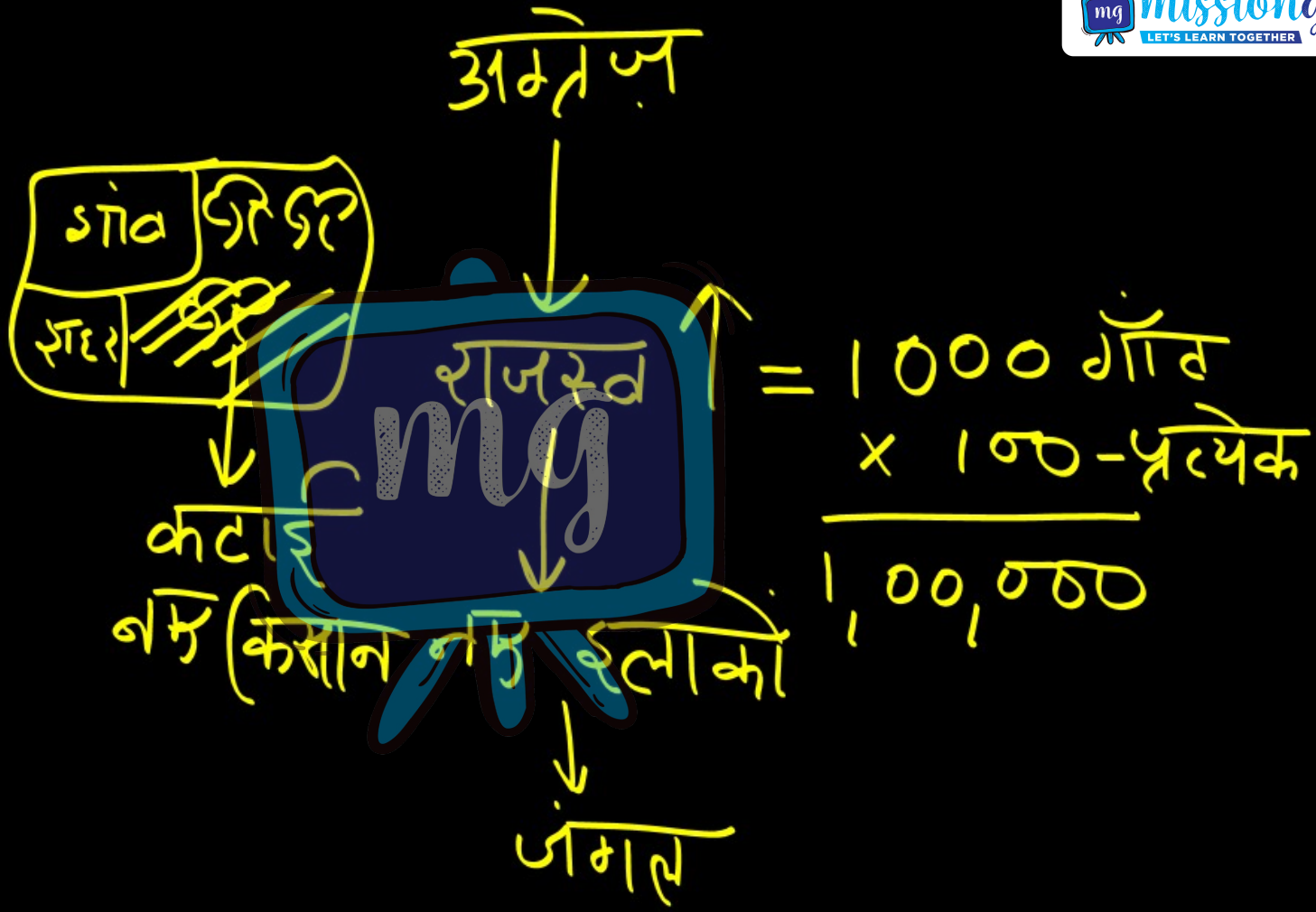
1930 मंदी → जमींदार ↓
जोतदार ↑
∴

परिवर्तन ⟶ रिपोर्ट ⟶ 1813 संसद प्रस्तुत

↓

पाचवी रिपोर्ट / 5th रिपोर्ट

- कलेक्टरों की रिपोर्ट
- राजस्व संबंधित तालिकाएं
- जमींदार, रैयत अर्जियां
- प्रशासन की टिप्पणियाँ


अंग्रेज़
गाँव
शहर
कटाई
बड़े किसान
इलाकों
जंगल
राजस्व
= 1000 गाँव
× 100 - प्रत्येक
1,00,000


mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुदाल और हल

कुदाल : पहाड़िया लांगों के जीवन का प्रतीक

हल : नए बाशिदों (संथाल) की शक्ति का प्रतीक

- राजमहल की पहाड़िया – झारखण्ड
- ↓
- यहां पहाडिया लोग रहते थे।
- ↓
- झूम खेती करते थे।
- ↓
- अंग्रेजों के द्वारा कृषि भूमि का विस्तार किया गया।
- ↓
- ज्यों – ज्यों स्थायी कृषि का विस्तार होता गया।
- जंगलों व चारागाहों का क्षेत्र संकुचित होता गया।